कोयल

सरल हिन्दी पाठमाला 3

शिक्षक–दर्शिका

ओरियंट ब्लैकस्वॉन

All rights reserved. No part of this book may be modified, reproduced or utilised in any form, or by any means, electronic or mechanical, including photocopying, recording or by any information storage and retrieval system, in any form of binding or cover other than in which it is published, without permission in writing from the publisher.

कोयल सरल हिन्दी शिक्षक-दर्शिका 3 (पाठमाला 3 के लिए)

ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड
मुख्य कार्यालय
3-6-752 हिमायतनगर, हैदराबाद 500 029 (तेलंगाना), भारत
ई-मेल: centraloffice@orientblackswan.com

शाखाएँ
बंग्लुरु, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, कोलकाता, मुम्बई,
नई दिल्ली, नोएडा, पटना, विशाखापट्टनम

© ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड, 2023
प्रथम संस्करण, 2023
OBBN 978-0-30106-641-7

टाइपसेटर
सुरेश कुमार शर्मा, दिल्ली

मुद्रक

प्रकाशक
ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड
3-6-752 हिमायतनगर
हैदराबाद 500 029 (तेलंगाना)
ई-मेल : info@orientblackswan.com

पाठ-सूची

शिक्षक बंधुओं से ... *v*

1. **आ-रे बादल!** (कविता) 1
2. **मीनू मछली** (कहानी) 5
3. **मैं हूँ नीम!** (आत्मकथा) 9
4. **मैं छोटी हूँ कि बड़ी?** (कहानी) 13
5. **नहीं सुहाती!** (कविता) 18
6. **बुद्धिमान रामा** (संवादात्मक पाठ) 23
7. **साँची का स्तूप** (ऐतिहासिक स्थल-वर्णन) 28
8. **मेहनती चींटी** (कविता) 32
9. **मूर्ख गधा** (कहानी) 37
10. **शरारती बन्दर** (कहानी) 42

शिक्षक बंधुओं से ...

हिन्दी भारत की एक प्रमुख भाषा है। यह प्रांतीय भाषा ही नहीं, अपितु सम्पूर्ण देश में बोली जाने वाली 'सार्वजनिक' भाषा है। यह देश के कुछ स्कूलों में प्रथम भाषा के रूप में तो कुछ स्कूलों में द्वितीय भाषा के रूप में पढ़ाई जाती है। देश के कुछ स्कूल ऐसे भी हैं, जहाँ यह तृतीय भाषा के रूप में पढ़ाई जाती है। **'कोयल' सरल हिन्दी पाठ्यपुस्तक माला** की रचना अहिन्दी भाषी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रख कर की गई है। इन क्षेत्रों में इस पाठ्यपुस्तक माला के माध्यम से हिन्दी द्वितीय अथवा तृतीय भाषा के रूप में पढ़ाई जाएगी। यह पाठ्यपुस्तक माला राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इसलिए इन शिक्षक दर्शिकाओं का निर्माण हिन्दी शिक्षण की उन कठिनाइयों को ध्यान में रखकर किया गया है, जिनका सामना अहिन्दी भाषी क्षेत्रों के शिक्षक करते हैं।

'कोयल' सरल हिन्दी पाठ्यपुस्तक माला

'कोयल' NEP के अनुरूप सरल हिन्दी पाठमाला अहिन्दी भाषी क्षेत्रों तथा द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए है। यह पुस्तकमाला सम्प्रेषणमूलक शिक्षण प्रविधि (Communicative Teaching Method) एवं योग्यता-आधारित शिक्षा के सिद्धांतों (Principles of Competency Based Education) को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (National Education Policy) 2020 और एनसीईआरटी (NCERT) के दिशा-निर्देशों का पालन करती है। यह सीरीज़ **नर्सरी** से लेकर **कक्षा 8** तक के विद्यार्थियों के लिए है।

भाषा शिक्षण के चारों कौशलों – सुनना, बोलना, पढ़ना एवं लिखना – को इस पाठ्यपुस्तक माला में स्थान दिया गया। है। इन कौशलों के माध्यम से किस प्रकार विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास करना है, यह इन शिक्षक दर्शिकाओं के माध्यम से बताया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (National Education Policy 2020)

'कोयल' सरल हिन्दी पाठमाला में शिक्षा के चारों कौशलों – सुनना, बोलना, पढ़ना एवं लिखना (Listening, Speaking, Reading & Writing) – के माध्यम से शिक्षण दिया गया है। ये पुस्तकें नवीनतम शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के निम्नलिखित मापदण्डों पर आधारित है:-

- डिजिटल (QR कोड, ऑडियो एवं वीडियो)
- अतिरिक्त पठन

- भारतीय विरासत
- पास-परिवेश
- चिंतन (Critical Thinking)
- समस्या समाधान (Problem Solving)
- रचनात्मक कार्य (Art Integration)
- जीवन मूल्य (Values)
- जीवन कौशल (Life Skills)

इनके माध्यम से शिक्षण किस प्रकार करना है, यह प्रत्येक प्रवेशिका एवं पाठमाला की पाठ-सूची के अनुसार दी गई **पाठ योजना** के अंतर्गत बताया गया है।

'कोयल' हिंदी प्रवेशिकाएँ (नर्सरी, LKG एवं UKG के लिए)

- इस पाठ्यपुस्तक माला में **तीन प्रवेशिकाएँ क्रमशः नर्सरी, LKG एवं UKG** के लिए हैं।
- इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य **विद्यार्थियों को स्वर एवं व्यंजन का ज्ञान, बिना मात्रा वाले दो, तीन तथा चार अक्षरों से बने शब्दों व वाक्यों को बोलना, पढ़ना एवं लिखना सिखाना है।**
- ये शिक्षण **पुस्तकों के माध्यम से** तो है ही, साथ ही **डिजिटल के माध्यम से** भी दिया गया है, ताकि विद्यार्थियों में सुनकर बोलने की कुशलता का विकास हो सके।
- अक्षरों, शब्दों, वाक्यों तथा कविताओं का **ऑडियो** दिया गया है। पाठों का ऑडियो शिक्षण में निश्चित रूप से सहायक सिद्ध होगा।
- **ऑडियो का प्रयोग** शिक्षण में किस प्रकार करना है, यह प्रत्येक पाठ-योजना में बताया गया है।
- ऑडियो के साथ-साथ **फ़्लैश कार्ड** भी दिए गए हैं। ये **फ़्लैश कार्ड** शिक्षण को रोचक, मनोरंजक और सहायक बनाएँगे।
- **फ़्लैश कार्ड** के खेल खेलते समय विद्यार्थियों को बताएँ कि व्हाइट बोर्ड पर जब चित्र और उसके नाम का पहला अक्षर या उसका नाम आएगा तब **"बिंगो" बोलना** है।

'कोयल' हिन्दी पाठमाला 1 एवं 2 (कक्षा 1 एवं कक्षा 2 के लिए)

- **पाठमाला 1 में स्वर** तथा **पाठमाला 2 में व्यंजन पढ़ाए और सिखाए गए हैं।**
- प्रवेशिकाओं की भाँति ही, इनमें भी डिजिटल के माध्यम से शिक्षण दिया गया है।
- स्वरों की मात्राओं से बने शब्दों तथा वाक्यों एवं कविताओं का ऑडियो दिया गया है।
- इन पुस्तकों में भी पाठों का ऑडियो शिक्षण में निश्चित रूप से सहायक सिद्ध होगा।
- ऑडियो का प्रयोग शिक्षण में किस प्रकार करना है, यह संबंधित शिक्षक दर्शिका में दी गई प्रत्येक पाठ योजना में बताया गया है।

- प्रवेशिकाओं की भाँति इन कक्षाओं के लिए भी **फ़्लैश कार्ड** दिए गए हैं जिनका प्रयोग पूर्व कक्षाओं की भाँति ही करना है।

'कोयल' हिन्दी पाठमाला 3 से 8 (कक्षा 3 से 8 के लिए)

- कक्षा 3 से 8 में शिक्षण हेतु गद्य, पद्य, कहानी एवं संवाद विधा से संबंधित पाठ दिए गए हैं।
- ये पाठ एवं इनके अभ्यास तथा व्याकरण अहिन्दी भाषी विद्यार्थियों को ध्यान में रख कर तैयार किए गए हैं।
- इन पुस्तकों में भी **डिजिटल** के माध्यम से शिक्षण दिया गया है।
- **अभ्यासों** में मौखिक प्रश्न, बहुविकल्पी प्रश्न, लिखित प्रश्न, रिक्त स्थान, मिलान करना, किसने कहा? किससे कहा?, पाठ से संबंधित सही-गलत बात बताना, स्तर के अनुसार व्यावहारिक व्याकरण, चिंतन एवं समस्या समाधान, रचनात्मक कार्य, जीवन मूल्य तथा जीवन कौशल से संबंधित प्रश्नों एवं गतिविधियों का समावेश किया गया है।

डिजिटल सामग्री (नर्सरी से पाठमाला 8 के लिए)

नर्सरी से कक्षा 8 तक प्रत्येक प्रवेशिका एवं पाठमाला से संबंधित डिजिटल सामग्री उपलब्ध कराई गई है। इस सामग्री में **फ़्लैश कार्ड**, **ऑडियो** (अतिरिक्त पठन एवं शब्दावली हेतु), **QR Code (केवल कविताओं में)**, **पाठों का ऑडियो**, **पाठों का ऐनिमेशन**, **शब्दार्थों का ऐनिमेशन** तथा **ऑडियो पर आधारित प्रश्नों का समावेश** किया गया है। इनके प्रयोग के माध्यम से शिक्षण किस प्रकार करना है, यह पाठ योजना के अंतर्गत बताया गया है। शिक्षकों की सुविधा के लिए नीचे संक्षेप में इनका उद्देश्य बताया जा रहा है–

फ़्लैश कार्ड : इनका उद्देश्य अक्षर एवं शब्दों की पहचान करवाना है।

QR कोड : इनका उद्देश्य कविताओं को सुनकर समझना और कंठस्थ करना है।

पाठों का ऑडियो : इनका उद्देश्य पाठों को सुनकर कहानी और भाषा को समझना व सीखना है।

पाठों का ऐनिमेशन : इनका उद्देश्य पाठ की कहानी को रोचक ढंग से प्रस्तुत करके विषय के प्रति विद्यार्थियों की रुचि जाग्रत करना है।

शब्दार्थों का ऐनिमेशन : इनका उद्देश्य है कि विद्यार्थी शब्दों का अर्थ और भाव भली भाँति समझ जाए।

ऑडियो पर आधारित प्रश्न : इनका उद्देश्य यह जानना है कि विद्यार्थी ने पाठ को कितना समझा है। इससे प्रश्न को सुनकर उसका उत्तर देने पर उनकी हिन्दी बोलने की कुशलता बढ़ेगी।

'कोयल' हिन्दी अभ्यास पुस्तिका नर्सरी से 8 (नर्सरी से कक्षा 8 के लिए)

अभ्यास पुस्तिकाएँ केवल सुलेख हेतु नहीं हैं। इनमें दी गई गतिविधियाँ तत्संबंधी पाठमाला में दिए गए अभ्यासों और दी गई गतिविधियों का विस्तार है।

- ये गतिविधियाँ भी नवीन शिक्षा नीति 2020 के सभी मानकों पर खरी उतरती हैं।
- विद्यार्थी इनके द्वारा लेखन का अभ्यास तो करेंगे ही, साथ-ही-साथ उनकी हिन्दी भाषा पर पकड़ भी मज़बूत होगी।
- इन अभ्यास पुस्तिकाओं में पाठ बोध (प्रश्नोत्तर, रिक्त स्थान, बहुविकल्पी प्रश्न) के साथ-साथ व्याकरण बोध और रचनात्मक कार्य भी दिया गया है।

'कोयल' हिन्दी शिक्षक दर्शिकाएँ (नर्सरी से 8)

ये शिक्षक दर्शिकाएँ नवीन शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षण किस प्रकार दिया जाए, उस आधार पर तो तैयार की ही गई हैं, साथ ही इनको तैयार करते समय अहिन्दी भाषी क्षेत्रों में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की हिन्दी पठन एवं पाठन में होने वाली असुविधाओं को भी ध्यान में रखा गया है। इसके लिए इन शिक्षक दर्शिकाओं में–

- सबसे पहले **पाठ उपलब्धियाँ** दी गई हैं।
- इसके बाद **पाठों का सारांश** दिया गया है।
- तदनन्तर **पाठवार पाठ-योजना** दी गई है।
- पाठ्यपुस्तक एवं अभ्यास पुस्तिका में दिए गए अभ्यास-प्रश्नों के उत्तर दिए गए हैं।

कुल 9 शिक्षक दर्शिकाएँ हैं। जिनमें नर्सरी, LKG और UKG प्रवेशिकाओं के लिए एक संयुक्त दर्शिका एवं प्रत्येक पाठ्यपुस्तक के लिए अलग-अलग 8 दर्शिकाएँ हैं।

विद्यार्थियों का परीक्षण/मूल्यांकन कैसे करें

- 'मौखिक मूल्यांकन' शब्दों के शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तरों के शुद्ध उच्चारण के साथ-साथ उत्तर की सटीकता के आधार पर करें।
- इसी प्रकार 'लिखित मूल्यांकन' भी भाषा की शुद्धता और पाठ के आधार पर तथ्यों की सटीकता के माध्यम से करें।
- 'सोचिए और बताइए' शीर्षक के अंतर्गत दिए गए प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थियों से निकलवाएँ और उनके उत्तरों की सटीकता का उनकी बौद्धिक क्षमता के आधार पर मूल्यांकन करें।
- 'रचनात्मक कार्य' के अंतर्गत दी गई गतिविधियों का मूल्यांकन लिखित, मौखिक, बौद्धिक क्षमता, पाठ का संदेश एवं रचनात्मकता की दृष्टि से किया जाए।

आशा है, ये दर्शिकाएँ, हिन्दी शिक्षण में अत्यन्त सहायक होंगी। सुझावों का स्वागत है।

पाठ 1 : आ-रे बादल!

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• प्रकृति प्रेम • दिशा ज्ञान • पानी का महत्त्व • मनोरंजन

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कविता
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, विलोम शब्द, वाक्य प्रयोग
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	पानी के महत्त्व को समझना, अनुमान, चरित्र-चित्रण
रचनात्मक कार्य Art Integration	कविता-गायन, कागज़ की नाव बनाना, चित्र में रंग भरना
जीवन मूल्य Values	पानी के सदुपयोग की सीख
डिजिटल Digital	कविता का ऑडियो, कविता का ऐनिमेशन शब्द-अर्थ, गतिविधि

कविता का सारांश Summary

इस कविता में बच्चे बादलों से कह रहे हैं कि – बादल, आओ! ठंडा-ठंडा जल बरसाओ। पूरब से आओ, पश्चिम से आओ, उत्तर से आओ, दक्षिण से आओ। बादल, आओ! ठंडा-ठंडा जल बरसाओ। बादल, तुम उमड़-घुमड़ कर धरती पर छा जाओ। रिमझिम-रिमझिम जल बरसा कर धरती को हरा-भरा बना दो। उसे रस से भर दो। बादल, ठंडा-ठंडा जल बरसाओ!

पाठ-योजना Lesson plan

1. **आ रे बादल** कहने से स्पष्ट पता चलता है कि भीषण गरमी है और अभी तक वर्षा नहीं हुई है। अत: चित्र के आधार पर वर्षा की आवश्यकता पर चर्चा करें। चर्चा के क्रम में सरदी, गरमी और बरसात पर भी चर्चा करें। विद्यार्थियों से पूछें कि -
   (क) इस चित्र में बच्चे किसे बुला रहे हैं?
   (ख) क्या इस चित्र में बादल उमड़े हुए दिख रहे हैं?
   (ग) आकाश में काले बादल किस ऋतु में दिखाई देते हैं?
2. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
3. इसके बाद **स्मार्ट बुक में दिए मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी सिखा दें।
4. सभी विद्यार्थियों से एक साथ कविता पढ़वाएँ। फिर प्रत्येक विद्यार्थी से बारी-बारी से कविता पढ़ने के लिए कहें।
5. श्यामपट्ट पर चारों दिशाओं के नाम ऊपर-नीचे और दाएँ-बाएँ दिशाओं के अनुसार लिखें, ताकि विद्यार्थियों को दिशाओं का ज्ञान हो जाए।
6. श्यामपट्ट के निकट किसी विद्यार्थी को खड़ा करके उसे दोनों हाथ फैलाने के लिए कहें और दो-तीन विद्यार्थियों को बारी-बारी से बुलाकर पूछें –
   (क) इसका सिर किस दिशा में है?
   (ख) इसके पैर किस दिशा में हैं?
   (ग) इसका दायाँ हाथ किस दिशा में है?
   (घ) इसका बायाँ हाथ किस दिशा में है?
7. श्यामपट्ट पर चारों दिशाओं के नाम लिख कर एक-एक वाक्य लिखें। इससे विद्यार्थियों को दिशा के ज्ञान के साथ-साथ शब्द का ज्ञान भी हो जाएगा –
   उत्तर - भारत की <u>उत्तर</u> दिशा में हिमालय पर्वत है।
   दक्षिण - भारत की <u>दक्षिण</u> दिशा में हिन्द महासागर है।
   पूरब - सूरज <u>पूरब</u> दिशा में उगता है।
   पश्चिम - मेरा घर <u>पश्चिम</u> दिशा में है।
8. विद्यार्थियों से इन **पंक्तियों का सही अर्थ चुनने** के लिए उनके नीचे **बहुविकल्पीय उत्तरों** को श्यामपट्ट पर लिखें और सही उत्तर ढूँढ़ने के लिए कहें–

   (i) ठंडा-ठंडा जल बरसा।
   (क) बरफ़ बरसाओ। ☐
   (ख) बरफ़ वाला पानी बरसाओ। ☐
   (ग) वर्षा से तपी हुई धरती ठण्डी हो। ☐
   (घ) शीतल जल की वर्षा हो। ☐

   (ii) धरती के ऊपर छा जा।
   (क) धरती पर बरसो। ☐
   (ख) आसमान से नीचे आओ। ☐
   (ग) बादल! धरती पर छा जाओ। ☐
   (घ) ऊपर से नीचे गिरो। ☐

(iii) धरती को जल्दी सरसा।

(क) धरती झुलस रही है। ☐

(ख) धरती पानी माँग रही है। ☐

(ग) वर्षा होने से धरती हरी-भरी हो जाएगी। ☐

(घ) वर्षा होने से लोग खुश होंगे। ☐

9. श्यामपट्ट पर **तुक वाले शब्दों** को लिखकर विद्यार्थियों से कॉपी में लिखवाएँ -

आ – जा – गा – खा

बरसा – तरसा – सरसा – हरसा

अण्डा – ठण्डा – झण्डा – पण्डा

10. **साधारण चिंतन** को उद्बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि इस कविता में चारों दिशाओं – पूरब, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण से बादल को क्यों बुलाया जा रहा है?
11. **अभ्यास** के अन्तर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही लिखित प्रश्नों पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह-कार्य हेतु दे सकते हैं।
12. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
13. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें। फिर कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।
14. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
15. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ।

2 (क) बच्चे बादल को बुला रहे हैं।

(ख) बादल उमड़-घुमड़कर आवाज़ करता है।

(ग) बादल आकर ठण्डा जल बरसाएगा।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ ठण्डा (ख) ☑ बादल आएगा।

(ग) ☑ आसमान में छा जा।

लिखित Writing

1. अध्यापक दिए गए शब्दों का श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) बादल पूरब, पश्चिम, उत्तर तथा दक्षिण दिशाओं से आएँगे।
   (ख) बादल रिमझिम-रिमझिम जल बरसाएँगे।
   (ग) पानी के लिए धरती तरस रही है।
3. (क) पूरब (ख) पश्चिम (ग) उत्तर (घ) दक्षिण

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. विद्यार्थी पढ़कर स्वयं समझेंगे।
2. पूर्व – सूरज **पूर्व** दिशा से उगता है।
   उत्तर – बादल **उत्तर** दिशा से आएँगे।
   दक्षिण – चेन्नई भारत की **दक्षिण** दिशा में स्थित है।
   पश्चिम – सूरज **पश्चिम** दिशा में डूबता है।

रचनात्मक कार्य Creative Work

विद्यार्थी अपनी समझ से स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) ☑ चारों दिशाओं से।
   (ख) ☑ बादल
   (ग) ☑ धरती
2. (क) बादलों को धरती के मनुष्य बुला रहे हैं।
   (ख) 'उमड़-घुमड़कर' का अर्थ है बादलों का भारी मात्रा में आने की सूचना देना।
3. विद्यार्थी स्वयं कविता की पंक्तियाँ लिखेंगे।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4. विद्यार्थी स्वयं समझकर लिखेंगे।
5. पूरब x पश्चिम
   सूखा x गीला

धरती x आकाश
आना x जाना

रचनात्मक कार्य Creative Work

6. (क) नभ (ख) सूरज (ग) वर्षा (घ) धरती

पाठ 2 : मीनू मछली

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• पशु-पक्षी प्रेम • प्रकृति प्रेम • सहज बुद्धि • संकट में बुद्धि से काम लेना

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कहानी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, विलोम शब्द, समानार्थी शब्द
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	अनुमान, परिणाम, समस्या, समाधान, कार्य-कारण सम्बन्ध
रचनात्मक कार्य Art Integration	पक्षियों को पहचानकर उनके नाम लिखना, अतिरिक्त जानकारी, चित्र चिपकाकर उस पर वाक्य लिखना
जीवन कौशल Life Skills	सहज बुद्धि से काम लेना, सजगता

डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह मीनू मछली की कहानी है, जो किसी जंगल में एक तालाब में रहती है। वह सुनहरे रंग की मछली है। इतनी सुनहरी कि उस पर जब सूरज की किरणें पड़ती हैं तो वह चमक उठती है। एक बार उस तालाब पर एक बगुला आया। उसने मीनू मछली को देखा तो उसके मुँह में पानी आ गया। वह मीनू मछली को खाना चाहता था। मीनू तैरती हुई उसी की ओर आ रही थी। तभी मीनू ने डुबकियाँ लगानी शुरू कीं। उसने तीन डुबकियाँ लगाईं। तीसरी डुबकी इतनी तेज़ लगाई कि पानी बहुत तेज़ी से ऊपर उछलकर बगुले पर गिरा। बगुला एक टाँग पर खड़ा था। वह लड़खड़ा कर धड़ाम से गिर गया। मीनू ने उसे देख लिया। वह एकदम से पलटी और डुबकियाँ लगाती हुई भाग गई। बगुला देखता ही रह गया।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. इस कहानी के दो पात्र हैं – मछली और बगुला। मछली पानी में रहती है। पानी में रहने वाले कुछ जीवों के बारे में बातें करें। बगुला एक पक्षी है। अब आस-पास दिखने वाले कुछ पक्षियों के बारे में बातें करें। पानी का क्या महत्त्व है, इस विषय पर भी चर्चा करें।
2. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
3. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
4. अब आप **पाठ पढ़ें** औए पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
5. अब बताएँ कि मीनू मछली सुनहरी थी। सोने जैसे रंग को सुनहरी रंग कहते हैं। कक्षा की कुछ चीज़ों को दिखाकर बताएँ कि वे किस-किस रंग की हैं, जैसे – श्यामपट्ट का रंग काला है। चॉक का रंग सफ़ेद है, आदि। इससे विद्यार्थियों को रंगों का ज्ञान हो जाएगा।
6. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
7. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।
8. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ** बहुविकल्पी प्रश्न **बनाकर विद्यार्थियों से प्रथम पाठ की भाँति उनके उत्तर पूछें–**
   - **तालाब कहाँ था?**
     - ☐ **शहर में**

☐ **जंगल में**

☐ **गाँव में**

9. श्यामपट्ट पर **विलोम शब्द** लिख कर उनका परिचय **विलोम शब्दों** से करवाएँ।
10. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्‌यार्थियों से पूछें कि इस पाठ में पानी में रहने वाले किस जीव की बात आई है? किस पक्षी ने मीनू मछली को खाना चाहा? मछलियाँ कहाँ रहती हैं? पक्षी कहाँ उड़ते हैं, आदि।
11. **अभ्यास** के अन्तर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह-कार्य हेतु दे सकते हैं।
12. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्‌यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
13. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें। फिर कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।
14. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
15. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. अध्यापक विद्‌यार्थियों से इन शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) मछली तालाब में रहती थी।
   (ख) मछली का नाम मीनू था।
   (ग) बगुला मीनू मछली को खाना चाहता था।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ सुनहरा। (ख) ☑ एक बगुला। (ग) ☑ बगुले पर।

लिखित Writing

1. अध्यापक विद्‌यार्थियों से शब्दों का श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) जब सूरज की किरणें मछली पर पड़ती थीं, तब मछली चमकती थी।
   (ख) बगुला मीनू मछली को देखकर खुश हो गया।

(ग) बगुला मीनू मछली को खाना चाहता था।

(घ) मीनू मछली ने बगुले को देखकर पानी में तीन डुबकियाँ लगाईं।

3. (क) जंगल (ख) टाँग (ग) डुबकी (घ) धड़ाम से

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

विद्यार्थी पढ़कर स्वयं समझेंगे।

सोचो और बताओ Think & Tell

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। अध्यापक विद्यार्थियों से इस विषय पर बातें करें। उनके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

1. कौआ कोयल बुलबुल
   बगुला तोता मोर
2. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
3. विद्यार्थी अपनी समझ से चित्र चिपकाएँगे और उस पर पाँच छोटे-छोटे वाक्य लिखेंगे।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

1. (क) ☒ (ख) ☒ (ग) ☑ (घ) ☑
2. (क) मीनू मछली पर सूरज की किरणें पड़ते ही उसका सुनहरा रंग चमक उठता था।

   (ख) बगुले ने तालाब में मीनू मछली को देखा।

   (ग) मीनू मछली ने पानी में तीन डुबकियाँ लगाईं।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

3. (क) नदियाँ (ख) गाड़ियाँ (ग) बकरियाँ (घ) तितलियाँ
4. (क) दो (ख) एक (ग) तीन (घ) चार (ङ) दो (च) दो

रचनात्मक कार्य Creative Work

5. विद्यार्थी चित्र देखकर वर्ग पहेली में से ढूँढ़कर नाम लिखेंगे।

पाठ 3 : मैं हूँ नीम!

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• प्रकृति प्रेम • पेड़-पौधों का महत्त्व • पेड़-पौधों का संरक्षण • औषधीय पौधों की जानकारी

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	आत्मकथा
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, विलोम शब्द, एकवचन-बहुवचन
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, कारण, कल्पना करके बताना, सोचकर बताना
रचनात्मक कार्य Art Integration	अन्य औषधीय पेड़ों की जानकारी प्राप्त करके लिखना, कॉपी में पेड़ों के चित्र चिपकाकर उनके नाम लिखना, चित्र में रंग भरकर उस पर वाक्य लिखना
जीवन मूल्य Values	परोपकार, प्रकृति का आदर, निःस्वार्थ सेवा भाव
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, पाठ का ऑडियो, पाठ का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह पाठ नीम के पेड़ के विषय में है। इसमें नीम का पेड़ अपने बारे में बता रहा है। नीम कह रहा है कि मैं नीम, कड़वा ज़रूर हूँ पर मैं बड़े काम का हूँ। मेरी जड़, छाल, पत्तियाँ, फल – सब गुणकारी हैं। इनसे कई प्रकार की दवाइयाँ, साबुन और चूरन बनता है। मेरे

फल के तेल से बना साबुन फोड़े-फुँसियाँ ठीक कर देता है। मैं कीड़ों का शत्रु हूँ। मेरी ठंडी छाया में लोग आराम करते हैं। सूख जाने पर भी मैं लोगों के काम आता हूँ। मेरी लकड़ियों से खिलौने, खिड़कियाँ, छतों की कड़ियाँ, आदि बनती हैं। मेरी सूखी लकड़ियाँ ईंधन के काम आती हैं। मैं सबके लिए बहुत लाभदायक हूँ।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पाठ आयुर्वेद से सम्बन्धित है। इसमें नीम के वृक्ष के लाभ बताए गए हैं। यह लाभ नीम स्वयं अपनी कहानी के रूप में बता रहा है – इस तरह की भूमिका के साथ पाठ की शुरूआत करें।
2. इसके बाद विद्यार्थियों से पूछें कि वे अपने आस-पास कौन-कौन से पेड़ देखते हैं। उन्हें उन पेड़ों के हिन्दी नामों से परिचित करवाएँ। फिर पेड़ों के लाभों पर चर्चा करें। पेड़ों से हमें क्या-क्या मिलता है? पेड़ न होंगे तो जीवन कैसा होगा, आदि प्रश्न करें और उनके उत्तर भी निकलवाएँ।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. अब कहें कि नीम एक पेड़ है। हमने अभी-अभी पेड़ों के बारे में बातें की थीं। आप कुछ पेड़ों के नाम बताएँ। इससे उन्हें पेड़ों के नाम कंठस्थ हो जाएँगे।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से प्रथम पाठ की भाँति उनके उत्तर पूछें** -
   - **इस पाठ में अपने बारे में कौन बता रहा है?**
     - ☐ **पीपल का पेड़**
     - ☐ **नीम का पेड़**
     - ☐ **आम का पेड़**
10. **श्यामपट्ट** पर एकवचन-बहुवचन शब्द लिख कर उनका परिचय वचन से करवाएँ। कुछ अन्य उदाहरण भी दें।
11. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि इस पाठ में नीम को कैसा वृक्ष बताया गया है? नीम के क्या-क्या लाभ हैं, आदि।
12. **अभ्यास** के अन्तर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी**

प्रश्नों को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह-कार्य हेतु दे सकते हैं।

13. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
14. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें। फिर कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।
15. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
16. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) नीम का स्वाद कड़वा होता है।
   (ख) पुराने बुखार को नीम की पत्तियों और फूलों से बना चूरन उतार देता है।
   (ग) नीम के फलों से तेल बनता है।
   (घ) नीम की सूखी लकड़ी खिलौने, छतों की कड़ियाँ, खिड़कियाँ, मेज़-कुरसियाँ, आदि बनाने के काम आती हैं।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ नीम के (ख) ☑ नीम के तेल से बना हुआ साबुन (ग) ☑ साबुन

लिखित Writing

1. अध्यापक विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) नीम के जड़, गूदा, छाल, गोंद, फल, फूल, पत्तियाँ तथा टहनियाँ, सभी अंग हमारे काम आते हैं।
   (ख) नीम की लकड़ी से खिलौने, छतों की कड़ियाँ, खिड़कियाँ, मेज़-कुरसियाँ, आदि बनती हैं।
   (ग) नीम के पत्तों से कीड़े, इत्यादि दूर भागते हैं। इसलिए नीम कीट-नाशक पेड़ है।
   (घ) नीम के अनेक लाभ हैं– इससे दवाइयाँ, तेल, साबुन बनते हैं। नीम हमें ठण्डी छाया भी देता है।

3. (क) हरे (ख) छाया (ग) सूखा (घ) ईंधन

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. दवाई – दवाइयाँ | कड़ी – कड़ियाँ
   खिड़की – खिड़कियाँ | डाली – डालियाँ
   कुरसी – कुरसियाँ

2. सूखा x गीला | मित्र x शत्रु
   सुख x दुख | मीठा x कड़वा
   ज़्यादा x कम | लाभकारी x हानिकारी

सोचो और बताओ Think & Tell

1. विद्यार्थी अपनी समझ से प्रश्नों का उत्तर देंगे। उनके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।
2. विद्यार्थी अपनी समझ से प्रश्नों का उत्तर देंगे। उनके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

1. शिक्षक विद्यार्थियों को नीम की तरह दूसरे वृक्ष की पहचान कराने में मदद करेंगे।
2. विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
3. विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) ☑ कड़वा (ख) ☑ साबुन (ग) ☑ सूखी लकड़ी
2. (क) नीम के पत्ते, फूल, छाल, गूदा, जड़, इत्यादि से गुणकारी दवाइयाँ बनती हैं।
   (ख) नीम के तेल से बना साबुन फोड़े-फुँसियाँ ठीक कर देता है।
   (ग) नीम के फूलों से चूरन बनता है जो मनुष्य के बुखार को उतार देता है।
3. (क) ☒ (ख) ☑ (ग) ☒ (घ) ☒

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4. • **गरम-गरम** दूध
   • **धीरे-धीरे** चलना
   • **तेज़-तेज़** भागना
   • **सुन्दर-सुन्दर** कपड़े
   • **नई-नई** किताबें

5. कड़वा x मीठा
   दोस्त x दुश्मन
   सूखा x गीला
   शहर x गाँव

रचनात्मक कार्य Creative Work

6. विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ एवं मूल्यांकन करें।

पाठ 4 : मैं छोटी हूँ कि बड़ी?

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• छोटों से प्रेम-भाव • बड़ों का सम्मान • सही-गलत की पहचान • सही समझ का विकास

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कहानी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, विशेषण, शब्दों का वाक्यों में प्रयोग
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	अनुमान, परिणाम, कार्य-कारण सम्बन्ध, सही समझ का विकास
रचनात्मक कार्य Art Integration	सूची बनाना, कर सकने और न कर सकने वाले कामों के बारे में बताना
जीवन मूल्य Values	सेवा भाव, बड़ों का सम्मान, छोटों से प्रेम

डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह पाठ बचपन के भोलेपन को दर्शाता है। छोटी-सी नीतू लंबे-से शीशे के सामने खड़ी होकर अपने आपको देख रही है और सोच रही है कि वह छोटी है या बड़ी? इसका कारण यह है कि घर के लोग कभी उसे छोटी कहते हैं, कभी कहते हैं कि वह बड़ी हो गई है! पिछले सप्ताह, जब वे बाज़ार में थे, तब उसकी मम्मी ने कहा था कि – "मैं उसे गोद में नहीं उठा सकती, क्योंकि तुम बड़ी हो गई हो।" लेकिन दो दिन बाद पापा ने कहा कि – "तुम छोटी हो, इसलिए अकेले स्कूल नहीं जा सकती।" दादा जी उसे छोटे राघव के पालने में यह कहकर नहीं सोने देते कि वह बड़ी हो गई है। वह रसोईघर में पूड़ी नहीं तल सकती, क्योंकि छोटी है। वह अपने बचपन की प्रिय गुलाबी फ्रॉक नहीं पहन सकती, क्योंकि वह बड़ी है! "फिर मैं क्या-क्या कर सकती हूँ?" वह अचरज में पड़कर अपने आप से बोली। सब उसे देख रहे थे। मम्मी हँसकर बोलीं – "तुम इतनी बड़ी हो कि स्कूल जा सको।" पापा प्यार से बोले – "और इतनी छोटी हो कि मेरे कंधों पर बैठ सको।" दादा जी प्यार से बोले – "और इतनी बड़ी कि मुझे सुबह की सैर पर ले जा सको।" "तुम जैसी हो, बहुत अच्छी हो। हम सबकी लाड़ली हो।" – यह कहकर माँ ने उसे प्यार से गले लगा लिया। नीतू खुश हो गई।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. विद्यार्थियों को बताएँ कि बचपन जीवन का सर्वश्रेष्ठ समय होता है। विद्यार्थियों से पूछें कि जब वे छोटे थे - दो या तीन वर्ष के - क्या उस समय की कोई बात उन्हें याद है? वे कैसे खेलते थे? क्या-क्या करते थे? उनके माता-पिता उन्हें कैसे खिलाते थे या प्यार करते थे? यदि उनका कोई प्रश्न हो तो उसका भी उत्तर दे दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब विद्यार्थियों से पूछें कि क्या आपके घर में या पड़ोस में कोई छोटा बच्चा है? वह क्या-क्या करता है? उसकी कौन-सी बात आपको बहुत अच्छी लगती है? क्या आप उसके साथ खेलते हैं? जब आप उसके साथ खेलते हैं, तब आपको कैसा लगता है? इस विषय में उनके अनुभव जानें। इस बातचीत में सबकी भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।

5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. पाठ में दादा-दादी, पापा-मम्मी, आदि परिवार के लोग आए हैं। विद्यार्थियों से उनके परिवार के सदस्यों के बारे में बातचीत करें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें–**
   - **नीतू अपने आपको किसमें देख रही थी?**
     - ☐ **मोबाइल पर बने किसी वीडियो में**
     - ☐ **किसी तस्वीर में**
     - ☐ **एक लंबे से शीशे में**
10. **भाषा और व्याकरण** के अन्तर्गत **गतिविधि-1** में दिए गए **विशेषण शब्दों** को श्यामपट्ट पर लिखकर पहले **मौखिक रूप** से ही समझा दें। अतिरिक्त उदाहरण भी दें। उसके बाद अभ्यास-कार्य करवाएँ।
11. **गतिविधि-2** में दिए गए शब्दों का **वाक्य में प्रयोग** पहले मौखिक रूप से ही करवा दें। इसके बाद विद्यार्थियों को कॉपी या पाठ्यपुस्तक में करने के लिए दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें, बचपन कैसा होता है?
13. **अभ्यास** के अन्तर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) नीतू अपने आपको एक लम्बे-से शीशे में देख रही थी।
   (ख) पिछले सप्ताह जब बाज़ार गए थे, तब मम्मी ने नीतू को कहा था, "मैं तुम्हें गोद में नहीं उठा सकती। तुम बड़ी हो गई हो।"
   (ग) पालने में नीतू का छोटा भाई राघव सोता है।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ स्कूल (ख) ☑ पार्क में (ग) ☑ सुबह की सैर के लिए

लिखित Writing

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) नीतू ने अपने आपसे पूछा, "मैं बड़ी हूँ या छोटी?"
   (ख) पापा ने नीतू को अकेले स्कूल नहीं जाने दिया क्योंकि उनके अनुसार नीतू अकेले स्कूल जाने के लिए छोटी है।
   (ग) दादा जी ने नीतू को पालने में इसलिए सोने नहीं दिया क्योंकि नीतू बड़ी हो गई है।
   (घ) दादी जी ने मुस्कुराते हुए नीतू से कहा कि नीतू इतनी छोटी है कि वे उसे कहानियाँ सुना सकें।
3. (क) गोद (ख) अकेले (ग) गुलाबी (घ) कन्धों

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. (ख) छोटा (ग) लम्बा (घ) हरे (ङ) हरा (च) काला
   (छ) पीला (ज) ऊँचा
2. (क) हरा – पेड़ों के पत्तों का रंग **हरा** होता है।
   (ख) ऊँचा – ऊटी में मैंने एक **ऊँचा** पहाड़ देखा।
   (ग) लम्बा – मेरा छोटा भाई मुझसे **लम्बा** है।
   (घ) काला – कौआ **काला** होता है।
   (ङ) पीला – मुझे **पीला** गुलाब अच्छा लगता है।

सोचो और बताओ Think & Tell

विद्यार्थी अपनी समझ से उत्तर देंगे। अध्यापक विद्यार्थियों से इस विषय पर बातें करें। उनके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

विद्यार्थी अपनी समझ से उत्तर देंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values

विद्यार्थी को इन प्रश्नों को स्वयं करने के लिए प्रेरित करें। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) नीतू की मम्मी ने।
   (ख) नीतू के पापा ने।
   (ग) नीतू के दादा जी ने।
2. (क) नीतू इसलिए हैरान है, क्योंकि वह एक ही समय में छोटी और बड़ी कैसे हो सकती है!
   (ख) नीतू अपनी गुलाबी फ्रॉक इसलिए नहीं पहन सकती, क्योंकि अब वह बड़ी हो गई है।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

3. (क) इतना गरम
   (ख) इतना बड़ा
   (ग) इतना ठंडा
   (घ) इतना भारी
   (ङ) इतना लंबा

रचनात्मक कार्य Creative Work

4. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 5 : नहीं सुहाती!

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• प्रकृति प्रेम • पशु-पक्षी प्रेम • मीठी बोली का महत्त्व • सबका सम्मान करना

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कविता
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, रंगों की पहचान, विशेषण, वाक्य प्रयोग
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	अनुमान, कल्पना, चरित्र-चित्रण, कारण, कार्य-कारण सम्बन्ध
रचनात्मक कार्य Art Integration	क्या किससे मिलता है– यह मिलाना, कोयल का चित्र चिपकाकर उस पर वाक्य लिखना
जीवन मूल्य Values	मीठी बोली का महत्त्व
डिजिटल Digital	कविता का ऑडियो, कविता का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

कविता का सारांश Summary

इस कविता के माध्यम से कवि मीठी बोली का महत्त्व बता रहे हैं। कवि कह रहे हैं कि कोयल और कौआ दोनों ही रंग के काले होते हैं। दोनों के रूप-रंग में भी कुछ विशेष अन्तर नहीं होता है। फिर भी हम सबको कौए से ज़्यादा कोयल ही अच्छी लगती है। वह इसलिए, क्योंकि उसकी बोली मिसरी जैसी मीठी होती है। पशु-पक्षी हो या मनुष्य, सबको मीठी बोली ही अच्छी लगती है। कड़वी बोली किसी को भी अच्छी नहीं लगती। कड़वी

बोली बोलने वाला भले ही हमारा अपना क्यों न हो, फिर भी उसकी कड़वी बोली हमें अच्छी नहीं लगेगी।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. सबसे पहले विद्यार्थियों को **कविता का सार** समझाएँ, जो ऊपर दिया गया है। फिर विद्यार्थियों से मीठी बोली का महत्त्व पूछें। पूछें कि हम सबसे मीठा बोलेंगे तो क्या होगा? हम मीठा नहीं बोलेंगे तो क्या होगा? इस विषय में उनके विचार जानें और चर्चा करें। यदि उनका कोई प्रश्न हो तो उसका भी उत्तर दे दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. पाठ में कोयल और कौआ – इन दो पक्षियों की बात आई है। विद्यार्थियों से अन्य पक्षियों के विषय में भी बातें करें। पूछें कि पक्षियों के बारे में आप क्या-क्या जानते हैं? पक्षी क्या-क्या खाते हैं, आदि। इस चर्चा या बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **कविता पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ। इससे उन्हें कविता कंठस्थ हो जाएगी।
6. इस कविता से मिलते-जुलते भाव का एक गीत/कविता कक्षा में सुनाएँ और दोनों की तुलना करवाएँ।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बताकर प्रोत्साहित करें।
8. **कविता का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें –**
   - **मिसरी जैसी किसकी बोली है?**
     - ☐ **सभी पक्षियों की**
     - ☐ **कोयल की**
     - ☐ **कौए की**
10. **भाषा और व्याकरण** के अन्तर्गत सबसे पहले **श्यामपट्ट पर पक्षियों के नाम लिखकर** उनका रंग पूछें। दिए गए पक्षियों के अतिरिक्त अन्य पक्षियों के रंग भी पूछें। उसके बाद दिया गया अभ्यास-कार्य करवाएँ।
11. **गतिविधि-2** में दिए गए **शब्दों का वाक्य में प्रयोग** पहले **मौखिक रूप से** ही करवा दें। इसके बाद विद्यार्थियों को स्वयं करने के लिए दें।

12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्‌यार्थियों से पूछें कि इस कविता का मूल भाव क्या है?
13. **अभ्यास** के अन्तर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्‌यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्‌ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. (क) विद्‌यार्थियों से इन शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) कौए का रंग काला होता है।
   (ख) कोयल का रंग काला होता है।
   (ग) कौआ और कोयल, दोनों में से कोयल को ज़्यादा अच्छा कहा गया है।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ मीठी (ख) ☑ मिसरी के (ग) ☑ कड़वी

लिखित Writing

1. विद्‌यार्थियों से इन शब्दों का श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) कौआ और कोयल देखने में काले लगते हैं।
   (ख) कोयल की बोली इसलिए अच्छी लगती है क्योंकि वह बहुत मीठी होती है।
   (ग) सबको मीठी बोली अच्छी लगती है।
3. (क) रंग, कौआ, रूप-रंग, अन्तर
   (ख) सबको मीठी बोली भाती।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. (क) हरा (ख) सफ़ेद (ग) काला (घ) नीला
2. (क) क्यों – तुम इतना ऊँचा **क्यों** बोलते हो?
   (ख) ज़्यादा – हमें कौए से ज़्यादा कोयल अच्छी लगती है।
   (ग) अच्छी – मीठी बोली सबको **अच्छी** लगती है।
   (घ) मनुष्य – **मनुष्य** को औरों से कभी कड़वी बातें नहीं करनी चाहिए।

सोचो और बताओ Think & Tell

विद्यार्थी अपनी समझ से अपने शब्दों में उत्तर देंगे। अध्यापक इस विषय पर उनसे बातें करें। उनके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

1. मुरगा – अण्डा
   मधुमक्खी – शहद
   गाय – दूध
   भेड़ – ऊन
2. विद्याथी स्वयं करेंगे। निर्दशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) रंग
   (ख) मीठी
   (ग) कूकना
2. (क) सबको कोयल और कौए में से कोयल ज़्यादा अच्छी लगती है।
   (ख) हमें कड़वा इसलिए नहीं बोलना चाहिए, क्योंकि कड़वी बोली किसी को भी अच्छी नहीं लगती।
3. (क) बोली मिसरी-सी लगती है।
   (ख) अपनों को है नहीं सुहाती।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4.

काली – पीली	काली-पीली
भाती – सुहाती	भाती-सुहाती
आई – गई	आई-गई

बोली – डोली	बोली-डोली
गाना – खाना	गाना-खाना
जैसा – तैसा	जैसा-तैसा

5. (क) मीठी बोली
   (ख) काला कौआ
   (ग) गोल गेंद
   (घ) लाल सेब
   (ङ) ऊँचा खम्बा

रचनात्मक कार्य Creative Work

6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
7. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 6 : बुद्धिमान रामा

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes

- दूसरों का सम्मान करना
- किसी से वैर-भाव न रखना
- सहानुभूति, एकता एवं प्रेरणा

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कहानी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, किसने कहा? किससे कहा?
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	विलोम शब्द, सर्वनाम शब्द
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	चरित्र-चित्रण, वर्णन, कारण, अनुमान, परिणाम, शीर्षक बताना
रचनात्मक कार्य Art Integration	चित्रों में अन्तर ढूँढ़ना
जीवन कौशल Life Skills	घमण्ड न करके दूसरों से उनके गुण ग्रहण करना
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह कहानी हमें यह सीख देती है कि हमें किसी के सद्गुणों से ईर्ष्या करने के स्थान पर, उससे सीख लेकर अपने जीवन में भी उन सद्गुणों को अपनाकर भला व्यक्ति बनना चाहिए। रामा और राजा दोनों तीसरी कक्षा में पढ़ते थे। रामा पढ़ने में तो होशियार था ही, साथ ही बुद्धिमान भी था। सब उसकी प्रशंसा करते थे। राजा को यह बात अच्छी नहीं लगती थी। एक दिन अध्यापक ने कक्षा में किसी बात पर रामा की प्रशंसा कर दी। राजा को यह बात अच्छी नहीं लगी। उसने अध्यापक से कहा कि जो काम रामा कर सकता है,

वह हम सब भी कर सकते हैं। यह सुनकर अध्यापक ने मुस्कुराते हुए ब्लैकबोर्ड पर एक लाइन खींच दी और बोले – "इस लाइन को बिना कहीं से काटे या मिटाए छोटा करना है। जो भी ऐसा करेगा, वह बुद्धिमान माना जाएगा।" कोई भी छात्र ऐसा नहीं कर पाया। राजा भी नहीं कर पाया। तब अध्यापक ने रामा को बुलाया। रामा उठा और उसने उस लाइन के ठीक बराबर में उससे बड़ी एक दूसरी लाइन खींच दी। अध्यापक ने खुश होकर कहा – "देखा सबने! पहली लाइन बिना कहीं से काटे या मिटाए छोटी हो गई।" यह देखकर राजा बहुत लज्जित हुआ। उसने रामा से क्षमा माँगी। राजा ने उससे हाथ मिलाते हुए कहा – "आज से हम दोनों पक्के मित्र हैं।" यह देखकर सभी छात्र तालियाँ बजाने लगे।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह कहानी बुद्धिमत्ता, सूझ-बूझ और तुरत बुद्धि पर आधारित तो है ही, साथ ही यह भी संदेश देती है कि बिना किसी को ठीक से जाने, हमें किसी के बारे में गलत नहीं बोलना चाहिए। विद्यार्थियों को बताएँ कि हमें हर परिस्थिति में सोच-विचार कर और बुद्धि से काम लेना चाहिए। किसी का बुरा कभी भी नहीं सोचना चाहिए। सदैव सत्य बोलना चाहिए और सही का साथ देना चाहिए। यदि वे भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं तो उन्हें इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब **पढ़कर कहानी** सुना दें। फिर पूछें कि जिस प्रकार इस कहानी में अपनी बुद्धि से काम लेकर रामा ने लाइन को छोटा कर दिया, क्या आप इसी प्रकार की कोई कहानी या घटना जानते हैं? यदि हाँ, तो विद्यार्थियों से उसे सुनाने के लिए कहें। इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. कहानी में क्योंकि यह बात भी है कि हमें किसी से बैर-भाव नहीं रखना चाहिए, अत: विद्यार्थियों के साथ इस विषय पर चर्चा करें। उनके अनुभव जानें। इस विषय से सम्बन्धित कोई कहानी या घटना हो तो वह सुनाएँ या विद्यार्थियों से कहें कि वे सुनाएँ। फिर उसपर बातचीत कर सकते हैं।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बताकर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर**

विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें–

- **अंत में सब छात्र ताली क्यों बजाने लगे?**
  - ☐ **इसलिए, क्योंकि राजा और रामा मित्र बन गए।**
  - ☐ **इसलिए, क्योंकि रामा ने लाइन छोटी कर दी थी।**
  - ☐ **इसलिए, क्योंकि अध्यापक ने फिर रामा की प्रशंसा की थी।**

10. **भाषा और व्याकरण** के अन्तर्गत **गतिविधि-1** के लिए पाठ में आए **विलोम शब्दों** को पहले श्यामपट्ट पर प्रयोग करके मौखिक रूप से समझा दें। उसके बाद पाठ्यपुस्तक या कॉपी में लिखवाएँ।
11. **गतिविधि-2** कराने से पहले **सर्वनाम** के विषय में श्यामपट्ट पर समझा दें। उसके बाद मौखिक रूप से ही बताएँ कि कौन-सा सर्वनाम किसके लिए प्रयुक्त हुआ है। उसके बाद पाठ्यपुस्तक अथवा कॉपी में करवाएँ।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्‌यार्थियों से पूछें कि अन्त में रामा और राजा मित्र क्यों बन गए?
13. **अभ्यास** के अन्तर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्‌यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. (क) विद्‌यार्थियों से इन शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) रामा होशियार और बुद्‌धिमान लड़का था।
   (ख) अध्यापक ब्लैकबोर्ड पर एक लाइन खींच देते हैं।
   (ग) अन्त में रामा और राजा पक्के मित्र बन गए।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ राजा की (ख) ☑ राजा को (ग) ☑ रामा और राजा मित्र बन गए।

लिखित Writing

1. अध्यापक इन शब्दों को बोलेंगे तथा विद्यार्थी श्रुतलेख लिखेंगे।
2. (क) रामा बहुत बुद्धिमान तथा होशियार था, इसलिए सब उसकी प्रशंसा करते थे।
   (ख) अध्यापक ने सभी छात्रों को ब्लैकबोर्ड पर खिंची लाइन को बिना काटे या मिटाए छोटा करने को कहा।
   (ग) रामा ने ब्लैकबोर्ड पर बनी लाइन के बराबर एक लम्बी लाइन खींच दी। इस प्रकार उसने उस पहली लाइन को बिना काटे या मिटाए छोटा कर दिया।
   (घ) राजा ने रामा से क्षमा इसलिए माँगी क्योंकि उसके मन में रामा के प्रति ईर्ष्या के भाव थे।
3.

(क) अध्यापक ने कहा	छात्रों से कहा
(ख) माला ने कहा	अध्यापक से कहा
(ग) रामा ने कहा	राजा से कहा
(घ) दिनेश ने कहा	अध्यापक से कहा

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1.

शुरू	x	खत्म	मूर्ख	x	बुद्धिमान
शत्रु	x	मित्र	बड़ा	x	छोटा
बुरी	x	अच्छी	उदास	x	खुश

2. (ख) छात्रों के लिए
   (ग) छात्रों के लिए
   (घ) रामा के लिए

सोचो और बताओ Think & Tell

विद्यार्थी अपने शब्दों में उत्तर देंगे। अध्यापक विद्यार्थियों से इस विषय में बातें करें। उनके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values

विद्यार्थी अपनी समझ से उत्तर देंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) तीसरी
   (ख) अध्यापक ने
   (ग) ताली बजाई
2. (क) सब रामा की प्रशंसा करते थे। राजा को यह बात अच्छी नहीं लगती थी।
   (ख) अध्यापक ने जो प्रश्न पूछा था, राजा उसका उत्तर नहीं दे सका। इसलिए वह लज्जित हुआ।
3. (क) देखने लगे।
   (ख) समझदारी, सूझ-बूझ
   (ग) मुस्कुराकर

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4. (क) रही थी।
   (ख) रहा था।
   (ग) रहे थे।
   (घ) लगी थी।
5. सहपाठी – साथ पढ़ने वाला
   प्रशंसा – बड़ाई
   अध्यापक – शिक्षक
   खुश – प्रसन्न

रचनात्मक कार्य Creative Work

6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 7 : साँची का स्तूप

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• भारतीय विरासत से परिचय • भ्रमण • देश प्रेम • ऐतिहासिक धरोहर का महत्त्व

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	यात्रा वृत्तांत
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, एकवचन-बहुवचन, पुल्लिंग-स्त्रीलिंग
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, ऐतिहासिक स्थलों का महत्त्व बताना
रचनात्मक कार्य Art Integration	ऐतिहासिक इमारत के बारे में बताना, ऐतिहासिक स्थल की यात्रा का वर्णन करना
जीवन मूल्य Values	ऐतिहासिक धरोहर का महत्त्व
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, पाठ का ऑडियो, पाठ का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह पाठ ऐतिहासिक शहर साँची में स्थित साँची के स्तूप पर आधारित है। पाठ में सविता अपनी साँची यात्रा के बारे में बता रही है। वह गरमियों की छुट्टियों में अपनी मौसी जी के घर भोपाल आई थी। एक दिन वह अपनी मौसी जी के साथ साँची का स्तूप देखने गई। वे कार से साँची पहुँचे। वहाँ वे एक चक्करदार सीढ़ी से ऊपर चढ़े। एक गाइड उन्हें स्तूप के बारे में बता रहा था। उसने बताया कि यह मुख्य स्तूप सम्राट अशोक ने बनवाया था।

इसका गुम्बद आधे गोले के आकार का है। यह स्तूप-एक कहलाता है। गाइड ने आगे बताया कि अन्दर आने के लिए चार द्वार हैं। चारों द्वारों पर महात्मा बुद्ध के जीवन की घटनाएँ बनी हुई हैं। फिर वह उन्हें दूसरे स्तूप पर ले गया। उसने बताया – "स्तूप-दो का यह पत्थर का घेरा और स्तूप-तीन का चमकदार छत्र बहुत सुन्दर है।" इसके बाद उसने उन्हें अशोक स्तम्भ दिखाया। उसने बताया कि साँची घूमने देश-विदेश से बहुत पर्यटक आते हैं। फिर वे एक संग्रहालय गए, जहाँ खुदाई में मिली हुई कई ऐतिहासिक वस्तुएँ रखी हुई थीं। उन्हें साँची घूमने में बहुत आनन्द आया। शाम को वे घर लौट आए।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पाठ ऐतिहासिक शहर साँची के विषय में है। अत: विद्यार्थियों को ऐतिहासिक धरोहरों का महत्त्व समझाएँ। यदि आपके शहर या गाँव में कोई ऐतिहासिक स्थान या इमारत है तो उसके बारे में चर्चा करें। उसका नाम पूछें। पूछें, क्या आप वहाँ गए हैं? आप वहाँ के बारे में क्या जानते हैं, आदि। यदि वे भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं तो उन्हें इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब **पढ़कर कहानी** सुना दें। फिर पूछें कि वे अशोक स्तम्भ के विषय में क्या जानते हैं? उन्होंने अशोक स्तम्भ कहाँ-कहाँ देखा है? अशोक चक्र के बारे में भी बातें करें। इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** औए पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. अब बताएँ कि जिस प्रकार साँची में कई ऐतिहासिक स्थल हैं, उसी प्रकार देश के बहुत सारे भागों में और भी ऐतिहासिक स्थल हैं, उनके विषय में चर्चा करें।
7. ऐतिहासिक महत्त्व की अन्य वस्तुओं/कथाओं, जैसे – रामायण, महाभारत आदि के विषय में भी बातें करें।
8. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बताकर प्रोत्साहित करें।
9. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।
10. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से प्रथम पाठ की भाँति उनके उत्तर पूछें –**
    - **अशोक स्तम्भ किस शहर में स्थित है?**
        - ☐ **दिल्ली**
        - ☐ **साँची**
        - ☐ **भोपाल**

11. **भाषा और व्याकरण** के अन्तर्गत **गतिविधि-1** के लिए श्यामपट्ट पर **एकवचन और बहुवचन** शब्द लिखकर विद्यार्थियों को उनके बारे में मौखिक रूप से बताएँ। अतिरिक्त उदाहरण भी दें। इसके बाद कॉपी या पाठ्यपुस्तक में करवाएँ।
12. **गतिविधि-2** भी इसी प्रकार करवाएँ। **पुल्लिंग और स्त्रीलिंग शब्दों** को पहले श्यामपट्ट पर **मौखिक रूप से** ही समझा दें। अतिरिक्त उदाहरण भी दें। उसके बाद कॉपी या पाठ्यपुस्तक में करवाएँ।
13. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि इस पाठ में किस ऐतिहासिक शहर की बात आई है? वहाँ क्या-क्या है? वह प्रमुख रूप से किस बात के लिए प्रसिद्ध है?
14. **अभ्यास** के अन्तर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
15. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
16. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
17. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
18. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. अध्यापक विद्यार्थियों से इन शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) सविता गरमियों की छुट्टियों में मौसी जी के घर, भोपाल आई थी।
   (ख) साँची के इतिहास के बारे में गाइड बता रहा था।
   (ग) द्वारों पर महात्मा बुद्‌ध के जीवन की घटनाएँ बनी हुई हैं।
   (घ) साँची के संग्रहालय में वहाँ की कई ऐतिहासिक वस्तुएँ रखी हुई हैं।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) ☑ स्तूपों के लिए (ख) ☑ साँची का स्तूप (ग) ☑ कुतुब मीनार

लिखित Writing

1. अध्यापक विद्यार्थियों से इन शब्दों का श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) सविता की मौसी जी भोपाल में रहती हैं।
   (ख) साँची के स्तूप को सम्राट अशोक ने बनवाया था।
   (ग) पाठ में कुल तीन स्तूपों के बारे में बताया गया है।
   (घ) महात्मा बुद्ध के जीवन की घटनाएँ साँची के स्तूपों के द्वारों पर बनी हुई हैं।
3. (क) साँची (ख) चक्करदार (ग) द्वार (घ) पर्यटक

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

विद्यार्थी पढ़कर समझेंगे।

सोचो और बताओ Think & Tell

विद्यार्थी अपनी समझ तथा अनुभव से उत्तर देंगे। अध्यापक विद्यार्थियों से इस विषय पर बातें करें। उनके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

विद्यार्थी स्वयं इन प्रश्नों के उत्तर देंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

1. (क) साँची अपने स्तूपों के लिए प्रसिद्ध है।
   (ख) पहाड़ी पर बनी एक गुम्बद-सी आकृति दिखाई दी।
   (ग) इस मुख्य स्तूप को सम्राट अशोक ने बनवाया था।
   (घ) साँची में एक संग्रहालय भी है।
2. (क) भोपाल से साँची सड़क मार्ग से जा सकते हैं। वहाँ रेल से भी पहुँचा जा सकता है।
   (ख) साँची का स्तूप आधे गोले के आकार का है।
   (ग) (i) साँची का स्तूप साँची में है।
   (ii) इसे सम्राट अशोक ने बनवाया था।
   (iii) यहाँ सड़क और रेल मार्ग से जा सकते हैं।
   (iv) यह एक ऐतिहासिक इमारत है।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

3. (क) पर्यटक
   (ख) सम्राट
   (ग) स्तूप
   (घ) गुम्बद
4. चक्करदार
   चौकीदार
   दुकानदार
   जोरदार

रचनात्मक कार्य Creative Work

5. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 8 : मेहनती चींटी

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• मेहनत करना • रुकावटों से हार न मानना • मुसीबत में न घबराना • निरन्तर कार्य करना

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कविता
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, समान तुक वाले शब्द
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, परिणाम, समस्या समाधान

रचनात्मक कार्य Art Integration	चित्र में रंग भरना, चित्र पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देना
जीवन मूल्य Values	मेहनत करना, रुकावटों से हार न मानना, दया भाव
डिजिटल Digital	कविता का ऑडियो, कविता का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

कविता का सारांश Summary

इस कविता में बताया गया है कि जीवन में आने वाली हर चुनौती का हमें साहस के साथ सामना करना चाहिए। अगर हम ऐसा करेंगे तो हमारा निर्धारित लक्ष्य हमें अवश्य प्राप्त होगा। इसके लिए हमें मेहनत करने से नहीं घबराना चाहिए। और यदि कड़ी मेहनत करने के बाद भी असफलता मिल जाए तो फिर से नई शुरूआत करनी चाहिए और तब तक मेहनत करते रहना चाहिए, जब तक कि लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। कवि ने इसके लिए चींटी का उदाहरण दिया है। कवि चींटी का उदाहरण देते हुए कह रहे हैं कि चींटी कितनी छोटी होती है, फिर भी वह एक-एक दाना लेकर अपने घर जाती है। चाहे कैसा भी रास्ता हो, वह कभी भी घबराती नहीं है। कभी भी थकान का अनुभव नहीं करती है। अपनी मेहनत के द्वारा वह हमें यही सीख दे रही है।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. सबसे पहले विद्यार्थियों को **कविता का सार** समझाएँ। बताएँ कि यह कविता जीवन में मेहनत करने के लिए प्रेरित कर रही है। अर्थात् लक्ष्य को प्राप्त करने में कितनी भी असफलताएँ क्यों न मिल जाएँ, हमें मेहनत करते रहना चाहिए। जब छोटी-सी चींटी ऐसा कर सकती है, तो हम क्यों नहीं कर सकते? इस विषय में विद्यार्थियों के विचार जानें और चर्चा करें। यदि उनका कोई प्रश्न हो तो उसका भी उत्तर दे दें। ध्यान दें कि ये सारी बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब विद्यार्थियों से इस विषय में उनके अनुभव जानें। पूछें, कि क्या कभी ऐसा हुआ है कि उन्होंने बहुत मेहनत की हो और फिर भी उनका काम पूरा न हुआ हो। तब उन्होंने क्या किया था? उस काम को फिर से शुरू किया था अथवा बीच में ही छोड़ दिया था? यदि बीच में ही छोड़ दिया था तो बीच में छोड़ने के बाद क्या हुआ था, आदि?
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।

5. अब आप **कविता पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ। इससे उन्हें कविता कंठस्थ हो जाएगी।
6. इन कविता से मिलते-जुलते भाव का एक गीत/कविता कक्षा में सुनाएँ और दोनों की तुलना करवाएँ।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बताकर प्रोत्साहित करें।
8. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें–**
   - **चींटी हमें क्या संदेश दे रही है?**
     - ☐ **दिनभर सोने का**
     - ☐ **लगातार मेहनत करने का**
     - ☐ **लगातार चलते रहने का**
9. **भाषा और व्याकरण** के अन्तर्गत दिए अभ्यास में **बोलने में एक जैसे लगने वाले शब्दों को** पहले श्यामपट्ट पर समझाएँ। अतिरिक्त उदाहरण भी दें। इसके बाद ही कॉपी या पुस्तक में करने के लिए दें।
10. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि इस कविता का मूल भाव क्या है?
11. **अभ्यास** के अन्तर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
12. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
13. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
14. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
15. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. अध्यापक इन शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) चींटी का आकार छोटा होता है।
   (ख) चींटी दाना लेकर अपने घर को जाती है।
   (ग) चींटी किसी कठिनाई से नहीं घबराती है।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ दाना (ख) ☑ मेहनती (ग) ☑ आगे बढ़ जाती होगी।

लिखित Writing

1. विद्यार्थी इन शब्दों को सुनकर श्रुतलेख लिखेंगे।
2. (क) छोटी-सी चींटी बहुत मेहनत करती है।
   (ख) चींटी के रास्ते में अनेक प्रकार की कठिनाइयाँ आती होंगी।
   (ग) चींटी हमें हर परिस्थिति में आगे बढ़ना सिखाती है। हमें सदा बिना थके मेहनत करते हुए जीवन में आगे बढ़ना चाहिए।
3. (क) छोटी-सी, मेहनत
   (ख) दाना, घर

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

आई	–	गई	डर	–	पर
अभी	–	तभी	यह	–	वह
करती	–	डरती	मोटी	–	रोटी
			जितनी	–	उतनी

रचनात्मक कार्य Creative Work

1. विद्यार्थी स्वयं चित्र को पूरा करके उसमें रंग भरेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

2. विद्यार्थी स्वयं चित्रों से सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर देंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values

विद्यार्थी अपनी समझ से उत्तर देंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

1. (क) कभी नहीं वह घबराती है।
   (ख) वह हमको यह सिखलाती है।
2. (क) इस पाठ में दिए गए चित्र में चींटियाँ मेहनत कर रही हैं। वे एक-एक दाना लेकर अपने घर जा रही हैं।
   (ख) इस कविता से हमें बिना रुके मेहनत करने की सीख मिलती है।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

3. चींटी – चींटियाँ
   सीढ़ी – सीढ़ियाँ
   छुट्टी – छुट्टियाँ
   पहाड़ी – पहाड़ियाँ
4. (क) घर – गृह
   (ख) सूरज – सूर्य
   (ग) चाँद – चन्द्रमा
   (घ) पथ – रास्ता

रचनात्मक कार्य Creative Work

5. चींटी बहुत छोटी-सी होती है। पर वह बहुत मेहनत करती है। वह एक-एक दाना बहुत मेहनत से उठाती है। उस दाने को वह अपने घर ले जाती है। चाहे कितना भी कठिन रास्ता हो, चींटी कभी भी घबराती नहीं है। चींटी हमें सीख दे रही है कि – हमें मेहनत करने से कभी भी घबराना नहीं चाहिए। सदैव मेहनत करते रहना चाहिए।

पाठ 9 : मूर्ख गधा

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• पशु प्रेम • दया भाव • काम से जी न चुराना • कपट न करना

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कहानी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ–बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	विलोम शब्द, शब्दों का वाक्य में प्रयोग
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	कारण, परिणाम, वर्णन, अनुमान
रचनात्मक कार्य Art Integration	पानी में घुलने वाली चीज़ों के नाम बताना, इंटरनेट से पंचतन्त्र की कहानी ढूँढ़कर कक्षा में सुनाना, घरेलू जानवरों के चित्र स्क्रेप बुक में चिपकाना
जीवन कौशल Life Skills	मन लगाकर काम करने की प्रेरणा
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द–अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह पाठ एक ऐसे व्यक्ति पर आधारित है, जो अपने गधे से काम तो लेता था, पर उसका बहुत ध्यान भी रखता था। लेकिन उसका गधा इतना मूर्ख था कि मालिक की दया को समझ ही नहीं पाया और अपनी मूर्खता से मुसीबत में फँस गया। एक व्यापारी के पास

एक गधा था। वह शहर से उसपर सामान लादकर लाता और गाँव-गाँव जाकर बेच देता। एक बार व्यापारी ने शहर से नमक खरीदा। उसने नमक गधे पर लादा और उसे बेचने एक गाँव की ओर चल पड़ा। रास्ते में एक नदी आई। जब वे नदी पार कर रहे थे, तब अचानक गधे का पाँव फिसल गया और वह नदी में गिर गया। जैसे-तैसे वह उठा। पर जैसे ही वह चलने लगा, उसे लगा कि उसकी पीठ पर लदा हुआ बोझ कम हो गया है। गधा बहुत खुश हो गया। अगले दिन भी व्यापारी ने नमक खरीदा। जब वे नदी पार करने लगे, तो गधा जानबूझ कर नदी में गिर गया। इस बार भी उसपर लदा हुआ बोझ कम हो गया। वह फिर खुश हुआ। दोनों दिन व्यापारी का बहुत नुकसान हुआ। फिर भी उसने सोचा कि – "गधा कमज़ोर हो गया है। अब यह ज़्यादा बोझ नहीं ढो सकता है।" यह सोचकर अगले दिन किसान ने रुई खरीद ली। पर लौटते समय जब नदी आई तो गधे ने फिर वही किया। पर इस बार जब वह उठा तो बोझ अधिक हो गया था। घर पहुँचते-पहुँचते वह थक कर चूर हो गया। उसे सबक मिल गया था। फिर वह कभी पानी में नहीं गिरा।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पाठ पशु-पक्षी प्रेम पर तो आधारित है ही, साथ ही दया भाव को भी दर्शा कर रहा है। इस पाठ से यह संदेश भी मिल रहा है कि हमें पालतू पशुओं से केवल काम ही नहीं लेना चाहिए, बल्कि उनकी उचित देखभाल भी करनी चाहिए। इस विषय में विद्यार्थियों से बातें करें। उन्हें बताएँ कि पशु-पक्षी सदा से ही हमारे सहायक रहे हैं। फिर पूछें कि क्या आपको ऐसा नहीं लगता कि, विज्ञान के इस युग में हमें पशुओं से काम नहीं लेना चाहिए? यदि विद्यार्थी भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं तो उन्हें इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये सारी बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब **पढ़कर कहानी** सुना दें। फिर पूछें कि जिस प्रकार बैल, घोड़े, गधे, आदि सदियों से मनुष्य के सहायक रहे हैं, क्या ऐसे और भी पशु हैं, जो मनुष्य के लिए मददगार रहे हैं? इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. पाठ में क्योंकि पशु-पक्षियों के प्रति दया भाव को भी दर्शाया गया है, अतः पशु-पक्षियों के साथ हमें कैसा व्यवहार करना चाहिए, इस विषय में बातचीत करें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बताकर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।

9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें–**
   - **गधे का पैर कहाँ फिसल गया?**
     - ☐ **कीचड़ में**
     - ☐ **नदी में**
     - ☐ **एक नाले में**
10. **भाषा और व्याकरण** के अन्तर्गत दिए गए **विलोम शब्द** श्यामपट्ट पर लिखकर उनके बारे में समझाएँ। दिए गए शब्दों के अलावा अन्य उदाहरण भी दें। इसके बाद पुस्तक में दिया गया अभ्यास-कार्य कॉपी में करवाएँ।
11. **वाक्यांशों का** पहले मौखिक रूप से **वाक्यों में प्रयोग** करवा लें, इसके बाद कॉपी या पुस्तक में उनका वाक्य में प्रयोग करने के लिए दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि गधे ने क्या मूर्खता की?
13. **अभ्यास** के अन्तर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. अध्यापक विद्यार्थियों से इन शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) व्यापारी के पास एक गधा था।
   (ख) व्यापारी सामान खरीदने के लिए शहर जाता था।
   (ग) गधा जब पहली बार पानी में गिरा, उसका बोझ कम हो गया था।

(घ) व्यापारी ने गधे की कमज़ोरी के बारे में सोचकर नमक के स्थान पर रुई खरीदी।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ नमक (ख) ☑ नदी में (ग) ☑ बोझ बढ़ गया था

लिखित Writing

1. विद्यार्थी इन शब्दों का श्रुतलेख लिखेंगे।
2. (क) व्यापारी शहर से सामान लाकर गाँव-गाँव बेचता था।
   (ख) गधा जब नदी में गिर गया, तब पानी में बहुत सारा नमक घुल गया, इस प्रकार गधे का बोझ कम हो गया।
   (ग) दूसरी बार गधा जान-बूझकर पानी में इसलिए गिरा ताकि पहली बार की तरह इस बार भी उसका बोझ कम हो जाए।
   (घ) तीसरी बार जब गधा पानी में गिरकर उठा तो उसका बोझ अधिक बढ़ गया था क्योंकि पानी में भीगकर रुई अधिक भारी हो गई थी।
3. (क) खरीदा
   (ख) फिसल
   (ग) देर
   (घ) खुश
   (ङ) अधिक

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. विद्यार्थी स्वयं पढ़कर समझेंगे।
2. बोझ – हमें अपना **बोझ** स्वयं उठाना चाहिए।
   खरीदा – मैंने कल दुकान से एक पेन **खरीदा**।
   लादकर – गधे की पीठ पर सामान **लादकर** ले जाया जाता है।
   फिसल – आज चलते हुए मेरा पाँव **फिसल** गया।
   जान-बूझकर – गधा **जान-बूझकर** पानी में गिर पड़ा।

रचनात्मक कार्य Creative Work

विद्यार्थी अपनी समझ से प्रश्नों के उत्तर देंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values

विद्यार्थी स्वयं पाठ में से सम्बन्धित वाक्य ढूँढ़ेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

1. (क) व्यापारी के पास एक ऊँट था। [X]
   (ख) वह गाँव-गाँव जाकर सामान बेचता था। [√]
   (ग) रास्ते में एक तालाब पड़ता था। [X]
   (घ) एक दिन व्यापारी ने नमक खरीदा। [√]
   (ङ) रुई पानी में भीगकर बहुत हलकी हो गई थी। [X]
2. (क) एक दिन व्यापारी ने शहर से नमक खरीदा।
   (ख) गधे के दो बार पानी में गिरने पर व्यापारी ने सोचा – "गधा कमज़ोर हो गया है। अब यह ज़्यादा बोझ नहीं ढो सकता।"
   (ग) इस कविता से यह सीख मिलती है कि हमें कभी भी झूठ बोलकर काम से बचना नहीं चाहिए।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

3.

खरीदा	–	खरीदना	रखा	–	रखना
गिरा	–	गिरना	उठा	–	उठना
बेचा	–	बेचना	समझा	–	समझना
फिसला	–	फिसलना	झटका	–	झटकना

4.

(क) नदी	–	सरिता	नदी	=	सरिता
(ख) सामान	–	चीज़ें	सामान	=	चीज़ें
(ग) बोझ	–	भार	बोझ	=	भार
(घ) पानी	–	जल	पानी	=	जल
(ङ) नुकसान	–	हानि	नुकसान	=	हानि

रचनात्मक कार्य Creative Work

5. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 10 : शरारती बन्दर

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• पशु-पक्षी प्रेम • प्रकृति प्रेम • माता-पिता का सम्मान • वात्सल्य

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कहानी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, शब्द रचना, संज्ञा शब्दों की सूची बनाना
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, कारण, परिणाम, कार्य-कारण सम्बन्ध, समस्या समाधान
रचनात्मक कार्य Art Integration	स्क्रेप बुक पर पशु-पक्षियों के चित्र चिपकाना, सूची बनाना, कहानी को अपने शब्दों में सुनाना, चिड़ियाघर का वर्णन करना
जीवन मूल्य Values	पशु-पक्षियों के प्रति दया भाव
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

इस पाठ में बन्दर के एक बच्चे की नटखट शरारत को दिखाया गया। है। उसकी शरारतें ऐसी हैं, कि पढ़कर हँसी रुकती नहीं है। पर अन्त में उसे ऐसा सबक मिलता है कि वह सारी शरारत भूल जाता है। उसका नाम मटरू था। वह बन्दर के छोटे बच्चों को तंग करता

था। एक दिन उसने एक छोटे बच्चे की पूँछ पकड़कर उसे घुमा दिया। वह रो पड़ा। यह देखकर मटरू की माँ ने उसे बहुत डाँटा। फिर एक दिन उसने देखा कि एक बकरा गाजर खा रहा है। मटरू के मुँह में पानी आ गया। वह गाजर उठा कर भागा तो बकरा उसपर झपटा। आगे-आगे बकरा पीछे-पीछे मटरू! उधर से एक भैंस जा रही थी। मटरू उछलकर उसपर चढ़ गया। भैंस ने ऐसा झटका मारा कि वह उछल कर दूर जा गिरा। फिर वह एक ऊँट की पीठ पर चढ़ गया। ऊँट घबराकर भागने लगा। मटरू को बड़ा मज़ा आया। ऊँट से कूदा तो उसे एक गधा दिखाई दिया। वह उसकी पीठ पर चढ़ने ही वाला था कि गधे ने कसकर लात मारी। लात खाते ही मटरू दूर जा गिरा। उसे बहुत चोट लगी। उधर जब बहुत देर तक मटरू नहीं आया तो उसके माँ-बाप उसे ढूँढ़ने निकले। जब वे उधर आए तो उन्होंने देखा कि मटरू धरती पर पड़ा हुआ कराह रहा है। माँ ने उसे पीठ पर लादा और घर ले आई। उसके बाद मटरू सारी शैतानी भूल गया।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पाठ शैतानी न करने और अपने माता-पिता तथा बड़ों का कहना मानने की सीख देता है। इस विषय में विद्यार्थियों से बातें करें। पूछें, यदि वे ज़्यादा शैतानी करेंगे तो क्या होगा? माता-पिता या बड़ों का कहना मानने से क्या होता है? और उनका कहना न मानने से क्या होता है? यदि विद्यार्थी भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं तो उन्हें इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये सारी बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब **पढ़कर कहानी** सुना दें। इसके बाद इस कहानी से मिलती-जुलती कोई अन्य कहानी सुना दें। फिर पूछें कि क्या आपने कभी ऐसी शैतानी की है कि आपको उसके कारण चोट लगी हो? क्या उसके बाद आपने फिर कभी उस तरह की शैतानी की? यदि नहीं तो बताइए, क्यों नहीं की? इस विषय में उनके विचार जानें? इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. पाठ में बन्दर, ऊँट, बकरा, भैंस, गधा, आदि पशुओं के नाम आए हैं। विद्यार्थियों को जंगली और पालतू पशुओं के बारे में बताएँ। पूछें कि उन्हें कौन-सा पशु अच्छा लगता है? अपने मनपसन्द पशु के बारे में बताने के किए कहें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।

9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें–**
   - **मटरू को लात किसने मारी?**
     - ☐ **भैंस ने**
     - ☐ **गधे ने**
     - ☐ **बकरे ने**
10. **भाषा और व्याकरण** के अन्तर्गत **गतिविधि-1** को श्यामपट्ट पर लिखकर समझाएँ कि **शब्दों को कैसे पूरा करना है।** अतिरिक्त उदाहरण भी दें। उसके बाद कॉपी अथवा पाठ्यपुस्तक में ही करने के लिए दें।
11. **गतिविधि-2** को पहले **मौखिक रूप से** समझा दें कि कौन-सा शब्द अलग है। फिर श्यामपट्ट पर अन्य उदाहरण देते हुए समझाएँ। पाठ्यपुस्तक में दिया गया प्रश्न गृहकार्य हेतु दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि यदि गधा मटरू को लात नहीं मारता तो क्या होता?
13. **अभ्यास** के अन्तर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. अध्यापक विद्यार्थियों से इन शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) मटरू एक बन्दर का नाम था।
   (ख) मटरू बहुत शरारती बन्दर था।

(ग) ऊँट नीम की पत्तियाँ खा रहा था।

(घ) मटरू के माँ-बाप को उसकी चिन्ता इसलिए हुई क्योंकि उनको लगा कि न जाने वह कहाँ चला गया।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ उसकी माँ ने (ख) ☑ गाजर

(ग) ☑ गधे ने (घ) ☑ कराह रहा था।

लिखित Writing

1. विद्यार्थी इन शब्दों को सुनकर श्रुतलेख लिखेंगे।
2. (क) मटरू की माँ ने उसे इसलिए डाँटा क्योंकि उसने दूसरे बन्दर के बच्चे की पूँछ पकड़कर उसको घुमा दिया था।

   (ख) बकरा मटरू पर इसलिए झपटा क्योंकि मटरू बकरे का गाजर उठाकर भाग रहा था।

   (ग) मटरू जब गधे की पीठ पर चढ़ने वाला था, तब गधे ने उसको कसकर लात मारी। लात खाते ही मटरू दूर जा गिरा। तभी मटरू की हड्डी-पसली चूर-चूर हो गई।

   (घ) जब मटरू ऊँट की पीठ पर चिपट गया था और ऊँट भागता गया था, तब मटरू को बड़ा मज़ा आया।
3. (क) नटखट (ख) गाजर (ग) गिलहरी (घ) शैतानी

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. भैं**स** ऊँ**ट** ब**क**रा **ग**धा

   बन्**दर** गि**लह**री **नटखट** शै**ता**न
2. ☑ कौआ

   ☑ पत्ता

   ☑ चींटी

   ☑ आलू

   ☑ ककड़ी
3. विद्यार्थी स्वयं पाठ में से घ, छ, झ और ध से बने इन शब्दों को ढूँढ़ेंगे।

   घ – घुमा, घर, घबराकर

   छ – छोटा, छोटे-छोटे

   झ – झपटा, झटका

   ध – धरती, गधा

सोचो और बताओ Think & Tell

विद्यार्थी अपनी समझ से भिन्न उत्तर देंगे। अध्यापक विद्यार्थियों से इस विषय में बातें करें। उनके विचार जानें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

विद्यार्थी स्वयं इन कार्यों को करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values

विद्यार्थी अपनी समझ से उत्तर देंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

1. (क) मटरू बहुत नटखट और शैतान था। [1]
   (ख) माँ ने उसे पीठ पर लाद लिया और घर ले आई। [5]
   (ग) मटरू उछलकर भैंस की पीठ पर चढ़ गया। [3]
   (घ) मटरू की माँ ने उसे खूब डाँटा। [2]
   (ङ) उसकी हड्डी-पसली चूर-चूर हो गई। [4]
2. (क) रास्ते में बकरे को देखकर मटरू ने उसकी गाजर छीन ली।
   (ख) मटरू उछलकर भैंस की पीठ पर चढ़ गया। भैंस ने ऐसा झटका दिया कि वह दूर जाकर गिरा। यह देखकर पेड़ पर बैठी गिलहरी हँस पड़ी।
3. (क) डाँटा
   (ख) रहा था।
   (ग) चढ़
   (घ) आया
   (ङ) पड़ी

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4.

जाना	–	आना	जाना	x	आना
छोटा	–	बड़ा	छोटा	x	बड़ा
ऊपर	–	नीचे	ऊपर	x	नीचे
भागना	–	रुकना	भागना	x	रुकना
पकड़ना	–	छोड़ना	पकड़ना	x	छोड़ना

5. बकरा – बकरी | हिरण – हिरणी
शेर – शेरनी | बन्दर – बन्दरिया
मोर – मोरनी | घोड़ा – घोड़ी

रचनात्मक कार्य Creative Work

6. हाथी, शेर, चीता, भालू, जिराफ़, हिरण
7. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।